शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

जीत के बाद भी मुश्किल में शुभमन गिल भारी जुर्माने ने बिगाड़ा जश्न

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम, OTT रिलीज को लेकर बढ़ी उत्सुकता

Page-05

मिडिल ईस्ट में तनाव और बढ़ गया है। ईरान ने तेल के बाद अब पानी और गैस प्लांट्स पर हमला किया। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा खतरे में है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होगी और राजनीतिक उलझनें बढ़ेंगी।

"मां रो रही, माटी पर घुसपैठ जनता भयभीत"—रैली में गरजे पीएम

- **मोदी ने TMC पर "जंगलराज" का आरोप लगाया**
- **घुसपैठ पर सख्त कार्रवाई का वादा**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एक चुनावी रैली के दौरान सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य में "जंगलराज" होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टीएमसी 'मां, माटी और मनुष्य' की बात करती है, लेकिन उसके शासन में इन तीनों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज राज्य में "मां रो रही है, माटी पर घुसपैठियों का कब्जा है और मनुष्य भय के माहौल में जी रहा है।" उन्होंने महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने एक भयमुक्त समाज की कल्पना की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां उस आदर्श के बिल्कुल विपरीत हैं।मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी से जुड़े लोग घुसपैठियों को जाली सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहे हैं, जिससे राज्य की सुरक्षा और सामाजिक संतुलन पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुकी है और यह समस्या लगातार बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो घुसपैठ को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, "हम विशेष जांच शुरू करेंगे और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों।"अपने भाषण के अंत में मोदी ने राज्य की जनता से बदलाव का आह्वान करते हुए कहा कि बंगाल को सुरक्षित, विकासशील और भयमुक्त बनाने के लिए निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में नए नेविगेशन निर्देश जारी किए

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए नए नेविगेशन निर्देश जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य समुद्री बारूदी सुरंगों के खतरे से जहाजों की सुरक्षा करना है। नए नक्शे महत्वपूर्ण जलमार्ग में निर्दिष्ट मार्गों के माध्यम से जहाजों के आवागमन को निर्देशित करते हैं, जिससे होकर दुनिया के तेल की आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि जलडमरूमध्य जहाजों के लिए पूरी तरह से खुला है या नहीं। आईएसएनए और तस्नीम समाचार एजेंसियों द्वारा जारी चार्ट में 'ट्रैफिक सेपरेशन स्कीम' पर संभावित खतरे का क्षेत्र अंकित किया गया है। इस क्षेत्र में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा कथित रूप से बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। चार्ट के अनुसार, पोतों को लारक द्वीप के निकट ईरान की मुख्यभूमि के पास उत्तरी मार्ग से गुजरने का सुझाव दिया गया, जिसे कुछ युद्धकालीन पोतों ने भी अपनाया। यह स्पष्ट नहीं है कि रिवोल्यूशनरी गार्ड ने मार्ग में बिछाई गई कथित सुरंगों को हटा दिया है या नहीं। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए नए नेविगेशन निर्देश जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य समुद्री बारूदी सुरंगों के खतरे से जहाजों की सुरक्षा करना है। नए नक्शे महत्वपूर्ण जलमार्ग में निर्दिष्ट मार्गों के माध्यम से जहाजों के आवागमन को निर्देशित करते हैं, जिससे होकर दुनिया के तेल की आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है।

पीयूष गोयल का आरोप

डीएमके में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन

केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु भाजपा चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने गुरुवार को कोयंबटूर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का आरोप लगाया। गोयल ने कहा कि डीएमके, जो भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात एक परिवार के नेतृत्व में चल रही है, राज्य के विकास में बाधा बन रही है। उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति, नशीली दवाओं की समस्या और पार्टी के भीतर कथित भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त की।गोयल ने कहा कि एआईएडीएमके और उसके सहयोगी दल तमिलनाडु के विकास के लिए एकजुट हैं, जबकि डीएमके लोगों और मीडिया को डराने के लिए पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके करों में कमी और वित्तीय सुधार में भी विफल रही है, जिसके कारण राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर है। अधूरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और कृषि सहायता में असफलताओं का भी उन्होंने उल्लेख किया, जैसे कौशिखा नदी का नुकसान और उक्कडम झील का अधूरा जीर्णोद्धार। गोयल ने कहा कि डीएमके ने जनता के विश्वास को तोड़ा है और राज्य में भय का माहौल बनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनडीए तमिलनाडु के विकास और आर्थिक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य प्रदान करने के लिए काम करेगा।

4 मई को नतीजों का इंतजार

असम-केरल-पुडुचेरी में मतदान संपन्न

असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए गुरुवार को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हो गया। शाम तक मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे लोकतंत्र के इस महापर्व में लोगों की सक्रिय भागीदारी साफ दिखाई दी। अब सभी की नजरें 4 मई को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं।भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, शाम 5 बजे तक असम में 84.42%, केरल में 75.01% और पुडुचेरी में 86.92% मतदान दर्ज किया गया। असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जलुकबारी विधानसभा क्षेत्र में अपने परिवार के साथ मतदान किया। मतदान से पहले उन्होंने गुवाहाटी स्थित कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। जलुकबारी सीट को उनका मजबूत गढ़ माना जाता है, जहां से वे 2001 से लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं।राज्य में इस बार कुल 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और मुकाबला मुख्य रूप से भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के बीच देखा जा रहा है। मतदान केंद्रों के बाहर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। कामरूप जिले के चमारिया में सबसे अधिक 84.43% मतदान हुआ, जबकि न्यू गुवाहाटी में सबसे कम 60.57% मतदान दर्ज किया गया। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है। वहीं, कांग्रेस नीत यूडीएफ राज्य में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक रहा है। भाजपा भी अपने जनाधार को मजबूत करने के उद्देश्य से चुनावी मैदान में सक्रिय रही।इसके अलावा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में हुए उपचुनावों में भी अच्छी मतदान दर दर्ज की गई। चुनाव आयोग ने सभी क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बताया है। अब परिणामों के साथ यह स्पष्ट होगा कि जनता ने किसे सत्ता की जिम्मेदारी सौंपी है।

कांग्रेस ने जारी किया घोषणापत्र

तमिलनाडु चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा दांव

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) ने गुरुवार को राज्य में बदलाव के उद्देश्य से अपना घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वपेरुंथगई मौजूद थे। घोषणापत्र में रोजगार, सार्वजनिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया है। पार्टी ने प्रत्येक परिवार को प्रति माह ₹2,000 देने का वादा किया है, जिसमें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे नकद हस्तांतरण शामिल है। इसके साथ ही, 300 दिनों में 3 लाख सरकारी नौकरियों को भरने और पारदर्शी भर्ती कैलेंडर बनाने का संकल्प लिया गया है। जन सुरक्षा के लिए 40,000 नई पुलिस भर्तियों की योजना है, जिसमें 10,000 महिला कमांडो भी शामिल हैं। इसके अलावा, सभी आपात परिस्थितियों के लिए एकीकृत कॉल सेंटर और डायल 100 सेवा का प्रस्ताव रखा गया है। स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में सुधार के तहत, पार्टी ने तमिलनाडु को रेबीज मुक्त बनाने और सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को लगभग शून्य करने का लक्ष्य रखा है।23 अप्रैल को राज्य की 234 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। मुख्य मुकाबला डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन के बीच होने की संभावना है। कांग्रेस अपने गठबंधन के तहत 28 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि अभिनेता से राजनेता बने विजय भी चुनावी मैदान में उतर रहे हैं।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने

भारत-अमेरिका व्यापार सुगमता पोर्टल की शुरुआत की

आरबीआई ने 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9% रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वर्ष से कम है। पश्चिम एशिया संकट, महंगी जिंस और सप्लाई बाधाएं इसके कारण हैं, जबकि सेवा क्षेत्र, जीएसटी सुधार और मजबूत घरेलू मांग अर्थव्यवस्था को सहारा देंगे।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को अमेरिका में भारत-अमेरिका व्यापार सुगमता पोर्टल (India-US Trade Facilitation Portal) की शुरुआत की। यह पोर्टल द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुँचाने के भारत-अमेरिका दोनों देशों के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर आए मिस्री ने इस पोर्टल की शुरुआत ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से की।इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा सहित दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक प्रतिनिधि मौजूद रहे। मिस्री ने कहा कि यह पोर्टल एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह न केवल मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगा, बल्कि नए व्यावसायिक संबंधों को बढ़ने और उभरने में सक्षम बनाएगा। उनका कहना था, "यह पोर्टल निरंतरता सुनिश्चित करेगा और द्विपक्षीय व्यापार के लिए अवसरों का विस्तार करेगा।" विदेश सचिव की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अमेरिका अपने द्विपक्षीय संबंधों में पिछले कुछ समय में आए उतार-चढ़ाव और तनाव को कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। मिस्री की यात्रा के दौरान अमेरिकी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा संबंधों की समीक्षा की जाएगी और मध्य पूर्व संकट सहित वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा की जाएगी। भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में पिछले वर्ष गिरावट देखी गई थी। मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव को कम करने में अमेरिकी भूमिका को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित दावे और वाशिंगटन द्वारा नई दिल्ली पर लगाए गए नये शुल्क से दोनों देशों के संबंध प्रभावित हुए थे। इन घटनाओं के बाद दोनों देशों ने फरवरी में आपसी रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की थी। मिस्री ने यह भी कहा कि पोर्टल भारतीय और अमेरिकी उद्योगों के लिए पारदर्शिता और सहजता सुनिश्चित करेगा। इससे व्यापार में समय और लागत की बचत होगी और निवेशकों को बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी। दोनों देशों ने पोर्टल के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखा है, जिसमें औद्योगिक विनिर्माण, डिजिटल व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और कृषि शामिल हैं। विदेश सचिव की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के संकेत दिए हैं। व्यापार सुगमता पोर्टल के माध्यम से भारत और अमेरिका के व्यापारिक और निवेश संबंधों को बढ़ावा मिलेगा, जबकि रक्षा और वैश्विक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग भी सुदृढ़ होगा।

पेंशन के साथ अब हेल्थ सिक्योरिटी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने सेवानिवृत्ति योजना के साथ स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'एनपीएस हेल्थ' पहल के दूसरे पायलट चरण की शुरुआत की है। यह पहल देश में बढ़ती स्वास्थ्य लागत और बुजुर्गों की वित्तीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। पीएफआरडीए के अनुसार, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) हेल्थ एक बहु-भागीदार पहल है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को व्यापक वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। इस योजना के तहत पीएफआरडीए नियामकीय प्राधिकरण की भूमिका निभा रहा है। इस परियोजना में मेडि असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज को मुख्य तकनीकी भागीदार बनाया गया है, जो डिजिटल बुनियादी ढांचा उपलब्ध करा रही है। वहीं, कैम्स केआरए ग्राहकों के पंजीकरण और केवाईसी प्रक्रिया में सहयोग कर रही है। टाटा पेंशन फंड और एक्सिस पेंशन फंड को इस योजना के लिए पेंशन फंड मैनेजर नियुक्त किया गया है।इसके अलावा, आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस एकीकृत टॉप-अप बीमा कवर प्रदान कर रही है, जबकि मेडि असिस्ट टीपीए दावों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रही है। पीएफआरडीए ने बताया कि यह पहल भारत के सेवानिवृत्ति परिदृश्य में स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े बढ़ते अंतर को पाटने की दिशा में महत्वपूर्ण है। अनुमान है कि वर्ष 2026 तक स्वास्थ्य देखभाल की लागत 11.5 प्रतिशत से 14 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जो मुद्रास्फीति दर से कहीं अधिक है।

युद्ध के तनाव के बीच भारत की डिप्लोमेसी मजबूत

बांग्लादेश और तुर्की से रिश्ते सुदृढ़

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध और सीज़फायर को लेकर वैश्विक तनाव के बीच भारत अपनी डिप्लोमैटिक रणनीति को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। युद्ध और उहापोह की स्थिति के विपरीत, भारत ने पड़ोसी देशों और अन्य वैश्विक साझेदारों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने पर जोर दिया है। हाल ही में बांग्लादेश के नए विदेश मंत्री भारत के दौरे पर हैं, जिससे संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच पिछले समय में आई दरारों को पाटते हुए रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। इसके अलावा, भारत और तुर्की के बीच 12वें दौर की फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन बैठक नई दिल्ली में 8 अप्रैल को आयोजित हुई। इस बैठक में भारत के वेस्ट सेक्रेटरी और तुर्की के विदेश मंत्रालय की डेपुटी मिनिस्टर बैरिस इकनकी मौजूद रहीं। बैठक में द्विपक्षीय रिश्तों की समीक्षा की गई और ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, टूरिज्म, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एनर्जी, एजुकेशनल और कल्चरल क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही, दोनों पक्षों ने पीपल-टू-पीपल कनेक्ट को मजबूत करने और क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। यह सिर्फ तुर्की या बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। भारत ने हाल ही में अज़रबैजान के साथ भी छठे दौर की फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन बैठक आयोजित की, जिसमें ट्रेड, टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर में सहयोग बढ़ाने और क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म से निपटने पर बातचीत की गई।

ट्रंप ने ईरान को दी नई चेतावनी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

वाशिंगटन: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान को नई चेतावनी जारी की है, जिससे संकेत मिलता है कि अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ़्ते के लिए किए गए संघर्ष-विराम का समझौता अस्थायी हो सकता है और इसमें बदलाव संभव है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, "अमेरिका के सभी जहाज़, विमान और सैन्यकर्मी – अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और ऐसी कोई भी चीज़ जो पहले से ही कमजोर दुश्मन को पूरी तरह नष्ट करने के लिए ज़रूरी है – ईरान के अंदर और उसके आस-पास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि असली समझौता पूरी तरह लागू नहीं हो जाता।" उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समझौते से किसी तरह का भटकाव हुआ तो अमेरिकी सैन्य कार्रवाई तेज़ हो सकती है। ट्रंप ने लिखा, "अगर ऐसा होता है, तो गोलीबारी शुरू हो जाएगी, जो पहले कभी नहीं देखी गई, उससे भी बड़ी, बेहतर और ज़ोरदार होगी।"अपने पोस्ट में ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होरमुज़ जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका की पुरानी मांगों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, "कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होरमुज़ जलडमरूमध्य हमेशा खुला और सुरक्षित रहेगा।" उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना पूरी तरह तैयार है और गोला-बारूद इकट्ठा कर रही है, "अपनी अगली जीत का इंतज़ार कर रही है। अमेरिका वापस आ गया है।" एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्थिति अभी भी अनिश्चित है। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह तेहरान के साथ मिलकर एनरिच्ड यूरेनियम से जुड़े मुद्दों को हल करने की दिशा में काम करेगा, जो परमाणु हथियार बनाने की क्षमता से संबंधित गंभीर चिंताएं पैदा करता है।

इज़रायल के कहर ने लेबनान में मचाई तबाही

250 से ज़्यादा हताहत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पिछले महीने हिज़्बुल्लाह के साथ संघर्ष शुरू होने के बाद से इज़रायल ने लेबनान पर अपने अब तक के सबसे ज़ोरदार हमले किए, जिनमें बुधवार को 250 से ज़्यादा लोग मारे गए। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब ईरान-समर्थित हिज़्बुल्लाह ने अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ़्ते के लिए हुए संघर्ष-विराम के तहत अपने हमलों को रोक दिया था। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने कहा कि लेबनान में संघर्ष-विराम उनके देश और अमेरिका के बीच हुए समझौते की एक ज़रूरी शर्त थी। लेकिन इज़रायल ने इस समझौते का पालन नहीं किया और बेरूत सहित दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी में कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इज़रायली सेना ने बताया कि इस हमले को अब तक का सबसे बड़ा और समन्वित हमला माना जा रहा है। लेबनान की नागरिक सुरक्षा सेवा ने बताया कि पूरे देश में कुल 254 लोग मारे गए और 1,100 से ज़्यादा घायल हुए। सबसे ज़्यादा मौतें राजधानी बेरूत में हुईं, जहाँ 91 लोग मारे गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पूरे देश में 182 मौतों की पुष्टि की और चेतावनी दी कि यह अंतिम आँकड़ा नहीं है। इस युद्ध की शुरुआत 2 मार्च को हुई थी, जब अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर हमले के दो दिन बाद, हिज़्बुल्लाह ने तेहरान के समर्थन में इज़रायल पर हमले किए थे। इसके बाद इज़रायल ने ज़मीन और हवा दोनों मोर्चों पर सख़्त सैन्य अभियान शुरू किया। रॉयटर्स के पत्रकारों ने देखा कि बेरूत के पश्चिमी हिस्से में एक ढही इमारत से नागरिक सुरक्षा कर्मी बुज़ुर्ग महिला को सुरक्षित बाहर निकाल रहे थे। हादसे के बाद लोग घायलों को मोटरसाइकिल पर अस्पताल तक ले जाते दिखाई दिए, क्योंकि समय पर पर्याप्त एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं थीं। बेरूत के सबसे बड़े चिकित्सा केंद्रों में से एक ने सभी प्रकार के ब्लड ग्रुप के रक्त की आपात ज़रूरत जताई। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा कि आज लेबनान में हुई हत्याएँ और तबाही "बेहद भयानक" है। उन्होंने कहा कि संघर्ष-विराम पर सहमति बनने के कुछ ही घंटे बाद यह नरसंहार होना "विश्वास से परे" है।

संपादक की कलम से

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव होती है। एक समाज कितना भी समृद्ध क्यों न हो, अगर उसके नागरिक शिक्षित और जागरूक नहीं हैं, तो वह समाज वास्तव में विकसित नहीं हो सकता। आज के युग में शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रही; यह सोचने, समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता भी देती है। हमारे देश में शिक्षा का महत्व हमेशा से रहा है। महात्मा गांधी ने कहा था कि "शिक्षा आत्मनिर्भर बनाती है।" शिक्षा केवल नौकरी पाने या प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक ही सीमित नहीं है। यह व्यक्तित्व का निर्माण करती है, सामाजिक जिम्मेदारियों की समझ देती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता प्रदान करती है। आज तकनीकी युग में शिक्षा का स्वरूप बदल गया है। कंप्यूटर, इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ज्ञान तक पहुँच आसान कर दी है। अब विद्यार्थी किसी भी विषय पर कुछ ही मिनटों में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा ने ग्रामीण और दूर-दराज़ के इलाकों में भी सीखने के अवसर बढ़ाए हैं। इसके बावजूद, हमारे समाज में शिक्षा की असमानता एक गंभीर समस्या बनी हुई है। कई स्थानों पर बच्चों के स्कूल तक पहुंचने की सुविधा नहीं है, और योग्य शिक्षक भी उपलब्ध नहीं हैं। शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता की समझ भी सिखाए। एक शिक्षित व्यक्ति न केवल अपने लिए, बल्कि समाज के लिए भी सोचता है। सामाजिक बुराइयों जैसे भ्रष्टाचार, असमानता और भ्रांतियों को मिटाने में शिक्षित नागरिक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि शिक्षा का दायरा और गुणवत्ता बढ़ाई जाए। स्कूलों में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और सोचने-समझने की क्षमता भी दी जानी चाहिए। शिक्षक सिर्फ पाठ पढ़ाने तक सीमित न रहें, बल्कि छात्रों को सही मार्गदर्शन देने वाले मार्गदर्शक बनें।वर्तमान समय में हमें शिक्षा की महत्ता को केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं करना चाहिए। यह राष्ट्रीय विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक सुधार का मूल आधार है। शिक्षा के माध्यम से ही हम गरीबी, अज्ञान और सामाजिक असमानता को कम कर सकते हैं। अंततः, शिक्षा ही वह शक्तिशाली हथियार है, जो समाज को अंधकार से उजाले की ओर ले जा सकता है। एक शिक्षित और जागरूक समाज ही देश को मजबूत और समृद्ध बना सकता है। इसलिए, प्रत्येक नागरिक और सरकार की जिम्मेदारी है कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इसे सभी तक पहुंचाने का प्रयास करें।शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। इसे अपनाकर ही हम समाज को सही दिशा में ले जा सकते हैं।

तमिलनाडु चुनाव: इस बार कोई ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं

सत्ता का नया चेहरा

तमिलनाडु चुनाव में इस बार कोई ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं है। बड़े दलों ने भी उन्हें मैदान में नहीं उतारा। ब्राह्मण अब सीधे चुनावी मंच पर नहीं, बल्कि पर्दे के पीछे सिस्टम और नौकरशाही में प्रभाव बनाए रखते हैं। सत्ता अब समुदायों के बीच प्रतिस्पर्धा का नया चेहरा लेकर उभरी है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु की चुनावी सरगर्मी के बीच एक तथ्य सामने आया है जिसने राज्य की राजनीतिक बहस को झकझोर दिया है। इस बार राज्य की प्रमुख पार्टियों—डीएमके, एआईएडीएमके, कांग्रेस और भाजपा—ने कोई भी ब्राह्मण उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा। यह किसी चुनावी रणनीति का हिस्सा नहीं है, बल्कि पिछले सौ वर्षों में तमिलनाडु की सत्ता संरचना में आए गहरे बदलाव का परिणाम है। ब्राह्मण समुदाय आज भी तमिलनाडु की नौकरशाही, नीति निर्माण, विचारधारा और प्रभावशाली नेटवर्क में मजबूती से मौजूद है। फर्क केवल इतना है कि अब उनका राजनीतिक चेहरा सीधे चुनावी मंच पर नजर नहीं आता, बल्कि पर्दे के पीछे से खेल को दिशा देता है। यानी अब वे सिस्टम का हिस्सा बन चुके हैं, न कि केवल चुनावी चेहरे। इस बदलाव की जड़ें इतिहास में हैं। 1916 का गैर ब्राह्मण घोषणापत्र तमिलनाडु की राजनीतिक पहचान बदलने का शुरुआती संकेत था। उस समय ब्राह्मण आबादी बहुत कम थी, लेकिन शिक्षा और सरकारी नौकरियों में उनका दबदबा असाधारण था। अंग्रेज़ी भाषा में उनकी महारत ने उन्हें सत्ता के करीब पहुंचाया। यह असंतुलन धीरे-धीरे राजनीतिक आंदोलन में बदल गया और गैर ब्राह्मणों की मजबूत पहचान बनी।द्रविड़ आंदोलन ने इस पहचान को धार दी। यह आंदोलन केवल विरोध नहीं था, बल्कि एक वैकल्पिक सत्ता संरचना का निर्माण था। इसने सामाजिक असमानता, भाषा गर्व और बराबरी की मांग को मिलाकर राजनीति का नया चेहरा बनाया। धीरे-धीरे ब्राह्मण केवल एक समुदाय नहीं रहे, बल्कि सत्ता के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गए।1950 के दशक में बदलाव साफ नजर आने लगा। कांग्रेस का नेतृत्व ब्राह्मणों से हटकर गैर ब्राह्मणों के हाथ में चला गया। 1954 में के. कामराज के नेतृत्व में मद्रास राज्य में पहली बार कोई ब्राह्मण मंत्री नहीं था। 1970 के दशक तक सत्ता और विपक्ष दोनों ही गैर ब्राह्मण राजनीति के कब्जे में आ गए। आज जो स्थिति बनी है, वह उसी लंबी प्रक्रिया का नया अध्याय है। भाजपा, जिसे अक्सर ब्राह्मण समर्थक पार्टी माना जाता है, ने भी इस बार कोई ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा। इसका कारण साफ है—ब्राह्मण नेतृत्व पार्टी के भीतर प्रभाव बनाए रखना चाहता है, लेकिन चुनावी जोखिम नहीं उठाना चाहता। छोटे और नए दल ब्राह्मण उम्मीदवारों को मैदान में उतारकर इस जड़ता को चुनौती दे रहे हैं। जयललिता इस कहानी में अपवाद हैं। ब्राह्मण होते हुए भी उन्होंने जातीय पहचान को राजनीति का आधार नहीं बनाया और सर्वसमाज आधारित नेतृत्व तैयार किया। आज तमिलनाडु में सत्ता के नए केंद्र उभर चुके हैं। एआईएडीएमके में थेवर और गौंडर समुदायों का दबदबा बढ़ा है, जबकि डीएमके में अन्य प्रभावशाली सामाजिक समूहों का प्रभुत्व है। राजनीति अब केवल ब्राह्मण बनाम गैर ब्राह्मण की नहीं रही, बल्कि अलग-अलग पिछड़े और प्रभावशाली समुदायों के बीच प्रतिस्पर्धा बन गई है। असली सवाल यह नहीं कि ब्राह्मण चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे, बल्कि यह कि उन्हें लड़ने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हो रही। सत्ता अब मंच पर नहीं, बल्कि पर्दे के पीछे अधिक सुरक्षित और प्रभावशाली बन गई है। तमिलनाडु की राजनीति ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि यहाँ सत्ता प्रतीकों से नहीं, बल्कि वास्तविकता और जमीन की हकीकत से चलती है।

सोनोवाल का दावा, एनडीए को लगभग 100 सीटों की उम्मीद

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध और सीज़फायर को लेकर वैश्विक तनाव के बीच भारत अपनी डिप्लोमैटिक रणनीति को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। युद्ध और उहापोह की स्थिति के विपरीत, भारत ने पड़ोसी देशों और अन्य वैश्विक साझेदारों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने पर जोर दिया है।हाल ही में बांग्लादेश के नए विदेश मंत्री भारत के दौरे पर हैं, जिससे संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच पिछले समय में आई दरारों को पाटते हुए रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। इसके अलावा, भारत और तुर्की के बीच 12वें दौर की फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन बैठक नई दिल्ली में 8 अप्रैल को आयोजित हुई। इस बैठक में भारत के वेस्ट सेक्रेटरी और तुर्की के विदेश मंत्रालय की डेपुटी मिनिस्टर बैरिस इकनकी मौजूद रहीं। बैठक में द्विपक्षीय रिश्तों की समीक्षा की गई और ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, टूरिज्म, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एनर्जी, एजुकेशनल और कल्चरल क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही, दोनों पक्षों ने पीपल-टू-पीपल कनेक्ट को मजबूत करने और क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताईयह सिर्फ तुर्की या बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। भारत ने हाल ही में अज़रबैजान के साथ भी छठे दौर की फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन बैठक आयोजित की, जिसमें ट्रेड, टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर में सहयोग बढ़ाने और क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म से निपटने पर बातचीत की गई।

सिंहवी ने महाभियोग प्रक्रिया पर सवाल उठाए

'निर्णय अब एक व्यक्ति तक सीमित'

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज किए जाने पर आलोचना करते हुए कहा कि महाभियोग की प्रक्रिया प्रभावी रूप से एक ही व्यक्ति के निर्णय तक सीमित हो गई है। सिंहवी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस प्रक्रिया के वर्तमान स्वरूप में लोकतंत्र के मंदिर, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायिक निकाय और सर्वोच्च न्यायालय के परामर्श द्वारा किसी भी प्रकार की आगे की जांच-पड़ताल का प्रावधान समाप्त हो गया है।सिंहवी ने पीठासीन अधिकारी की संवैधानिक शक्तियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या संविधान निर्माताओं ने, विशेष रूप से डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर (जिनकी जयंती अगले सप्ताह है) ने कभी कल्पना की थी कि कुछ चीजें एक ही व्यक्ति के हाथों में इस हद तक सौंपी जाएंगी कि उसकी जवाबदेही शून्य हो जाए। उन्होंने महाभियोग की छह अवस्थाओं का उल्लेख किया, जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने निर्धारित किया है: स्वीकारोक्ति चरण, समिति का गठन, वरिष्ठ न्यायिक न्यायाधीशों की निर्णायक समिति द्वारा आरोपों का निर्धारण, रिपोर्ट प्रस्तुत करना, संसदीय चर्चा और राष्ट्रपति द्वारा पद से हटाने की कार्रवाई। सिंहवी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश ने इन सभी छह अवस्थाओं को पीठासीन अधिकारी के विवेकाधिकार में समाहित कर दिया है, जिससे सारी प्रक्रिया पहले ही चरण में समाप्त हो जाती है। उनका कहना था कि ऐसा करने से महाभियोग प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण हो गई है और अब यह केवल पीठासीन अधिकारी के विवेकाधिकार में सीमित रह गई है। उन्होंने आगे कहा, "यदि यही तरीका अपनाया जाता है, तो समिति में महाभियोग की कार्यवाही कैसे संभव होगी? संसदीय विवेक की सामूहिक प्रक्रिया का सहारा कैसे लिया जाएगा?" सिंहवी ने स्पष्ट किया कि यह प्रणाली प्रत्येक आरोप पर केवल पीठासीन अधिकारी की राय तक सीमित हो गई है, जिससे न्यायिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं में लोकतांत्रिक जांच की जगह नहीं रह गईउन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए बताया कि इसमें कहा गया है कि संसद संविधान के तहत राजनीतिक

प्रक्रिया द्वारा निर्मित महाभियोग तंत्र का सहारा बहुत कम लेती है। सिंहवी ने निष्कर्ष निकाला कि इस आदेश ने न्यायिक और राजनीतिक दोनों प्रक्रियाओं को एक व्यक्ति के एकतरफा निर्णय में समाहित कर दिया है, जिससे महाभियोग प्रक्रिया की मूल संरचना प्रभावित हुई है।

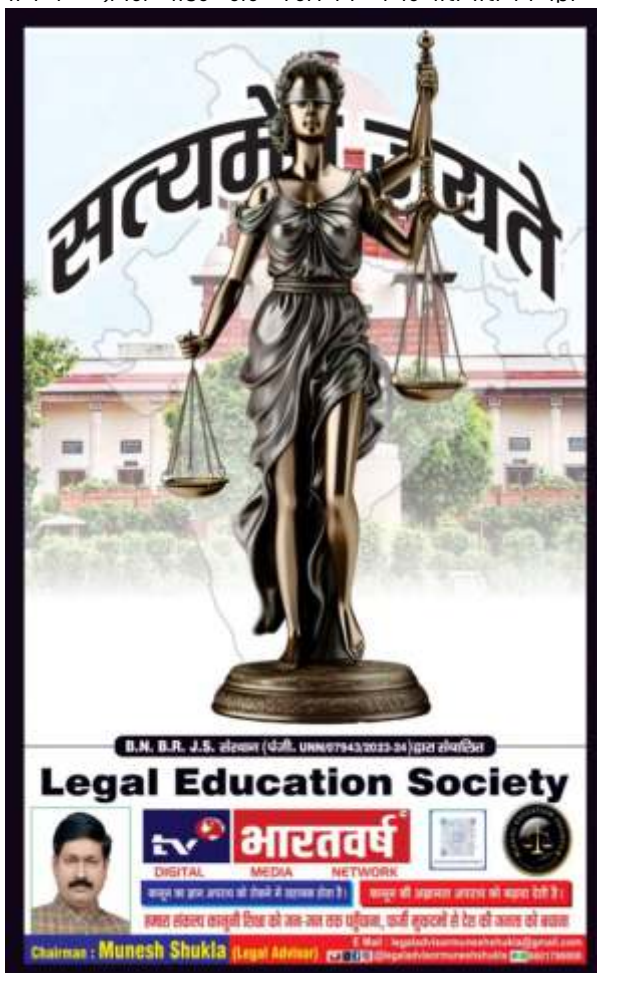

पोस्ट ऑफिस MIS स्कीम

छात्रों और युवाओं के लिए सुरक्षित निवेश और मंथली इनकम का बेहतर विकल्प

केंद्र सरकार ने अप्रैल-जून (Q1FY27) तिमाही के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। ऐसे में वित्तीय योजना और बचत को समझने वाले छात्रों और युवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है कि वे सुरक्षित निवेश विकल्पों के बारे में जानकारी हासिल करें। पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम अकाउंट (MIS) स्कीम इसी दिशा में एक उपयोगी विकल्प के रूप में सामने आई है।यह योजना खासतौर पर उन लोगों के लिए बनाई गई है जो अपने निवेश पर हर महीने एक निश्चित आय चाहते हैं। वर्तमान में इस स्कीम पर 7.4% सालाना ब्याज दिया जा रहा है, जिसे 12 महीनों में बांटकर हर महीने निवेशक को दिया जाता है। इससे यह योजना नियमित आय का स्थिर स्रोत बन जाती है।शिक्षा के क्षेत्र में भी इस योजना की अहमियत बढ़ रही है, क्योंकि वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy) आज के समय में छात्रों के लिए जरूरी विषय बन चुका है। यह स्कीम छात्रों को यह समझने में मदद करती है कि किस तरह एक सुरक्षित निवेश के जरिए नियमित आय प्राप्त की जा सकती है और भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाई जा सकती है। इस योजना की अवधि 5 साल है। यानी निवेश करने के बाद 5 साल तक पैसा जमा रहता है और हर महीने ब्याज के रूप में आय मिलती रहती है। मैच्योरिटी पूरी होने पर निवेश की गई पूरी राशि वापस मिल जाती है। यह प्रक्रिया छात्रों को लंबी अवधि के निवेश और रिटर्न के सिद्धांत को समझने में मदद करती है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई व्यक्ति 9 लाख रुपये निवेश करता है, तो उसे 7.4% की दर से सालाना 66,600 रुपये का ब्याज मिलेगा। इसे मासिक आधार पर देखें तो करीब 5,550 रुपये हर महीने मिलेंगे। वहीं, संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये निवेश करने पर सालाना 1,11,000 रुपये का ब्याज मिलेगा, जो हर महीने लगभग 9,250 रुपये बनता है। इस योजना की एक और खासियत यह है कि इसे एकल खाते के साथ-साथ संयुक्त खाते के रूप में भी खोला जा सकता है। अधिकतम तीन वयस्क मिलकर जॉइंट अकाउंट खोल सकते हैं। इसके अलावा, 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिग के नाम पर भी अभिभावकों की देखरेख में खाता खोला जा सकता है। यह छात्रों के लिए शुरुआती उम्र में ही निवेश की आदत विकसित करने का अच्छा माध्यम बन सकता है।हालांकि, इस योजना में मिलने वाले ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज नहीं मिलता। यदि मासिक ब्याज नहीं निकाला जाता, तो वह पोस्ट ऑफिस के सेविंग अकाउंट में जमा रहता है, लेकिन उस पर अलग से ब्याज नहीं दिया जाता। सरकार ने इस योजना सहित अन्य पोस्ट ऑफिस बचत योजनाओं में निवेश के लिए पैन और आधार कार्ड को अनिवार्य कर दिया है। खाता खोलने के लिए पहले पोस्ट ऑफिस में सेविंग अकाउंट होना जरूरी है, जिसके बाद निर्धारित फॉर्म भरकर और आवश्यक दस्तावेज जमा करके यह खाता आसानी से खोला जा सकता है। इस तरह की योजनाएं न केवल निवेश के सुरक्षित विकल्प प्रदान करती हैं, बल्कि छात्रों और युवाओं को वित्तीय अनुशासन और भविष्य की योजना बनाने की समझ भी विकसित करती हैं। मौजूदा समय में जब आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है, ऐसे में यह स्कीम एक भरोसेमंद और शिक्षाप्रद विकल्प के रूप में उभर रही है।

रियो ओलंपिक वेलोड्रोम में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप!

ब्राज़ील के रियो डी जिनेरियो स्थित ओलंपिक पार्क के वेलोड्रोम में सुबह अचानक आग लग गई, जिससे कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल बचाव दल को मौके पर भेजा गयाारियो स्टेट मिलिट्री फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए करीब 80 दमकलकर्मियों और 20 दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया। तेज कार्रवाई के चलते आग को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया और उसे फैलने से रोक दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, आग मुख्य रूप से वेलोड्रोम की फैब्रिक छत तक ही सीमित रही और इमारत के अंदरूनी हिस्से को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वेलोड्रोम के भीतर मौजूद ओलंपिक संग्रहालय भी पूरी तरह सुरक्षित बताया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब इस स्थल पर आग लगी हो। वर्ष 2017 में भी यहां दो बार आग लग चुकी है, जिनका कारण उड़ने वाली कागजी लालटेन को माना गया था। गौरतलब है कि रियो ओलंपिक 2016 के दौरान यह वेलोड्रोम ट्रैक साइकिलिंग प्रतियोगिताओं का मुख्य आयोजन स्थल था। इसके बाद से यह ब्राज़ील की राष्ट्रीय साइकिलिंग और भारोत्तोलन टीमों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा है कि सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

जीत के बाद भी मुश्किल में शुभमन गिल

भारी जुर्माने ने बिगाड़ा जश्न

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में

भारत का दमदार प्रदर्शन

किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित 2026 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में एक रजत और दो कांस्य पदक जोड़े। बुधवार को मिले इन पदकों के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या दो रजत और तीन कांस्य हो गई है। 23 वर्षीय पहलवान नितेश ने 97 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। फाइनल मुकाबले में उनका सामना मौजूदा चैंपियन मोहम्मदहादी सारावी से हुआ, जहां उन्हें 1-7 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि पूरे टूर्नामेंट में नितेश का प्रदर्शन सराहनीय रहा। वहीं, सचिन सहरावत ने 67 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में उज्बेकिस्तान के अब्दुमालिक अमीनोव को 6-5 से हराया। इस मुकाबले में सचिन ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। इसके अलावा प्रिंस ने 82 किलोग्राम वर्ग में तुर्कमेनिस्तान के दीदार अमनजारोव को 10-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी यह जीत एकतरफा रही और उन्होंने बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में भी भारतीय पहलवानों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हंसिका लांबा (55 किग्रा) और नेहा (59 किग्रा) सेमीफाइनल हारने के बाद कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में पहुंच गई हैं। वहीं, नीलम ने 50 किलोग्राम वर्ग में रेपेचेज दौर में जगह बनाकर पदक की उम्मीद बनाए रखी है। कुल मिलाकर भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप रहा है और आने वाले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

तमीम इकबाल बने बीसीबी एड-हॉक कमेटी के अध्यक्ष,

घरेलू क्रिकेटरों की सैलरी में बड़ा इजाफा

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की एड-हॉक कमेटी के नए अध्यक्ष बने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने पद संभालते ही घरेलू क्रिकेटरों के हित में बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने महिला और पुरुष दोनों वर्ग के खिलाड़ियों की मैच फीस और सैलरी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी को मंजूरी दी है।ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, तमीम इकबाल घरेलू महिला क्रिकेटरों की बेहद कम मैच फीस जानकर हैरान रह गए। पहले महिला खिलाड़ियों को एक दिवसीय मैच के लिए मात्र 1000 बांग्लादेशी टका (करीब 8 अमेरिकी डॉलर या लगभग 754 रुपये) मिलते थे, जो बेहद कम था। नए फैसले के तहत अब महिला क्रिकेटरों की आय में बड़ा सुधार किया गया है। उन्हें एक दिवसीय घरेलू मैच के लिए लगभग 120 अमेरिकी डॉलर, प्रथम श्रेणी मैचों के लिए करीब 160 डॉलर और टी20 मुकाबलों के लिए लगभग 80 डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा शीर्ष 36 महिला घरेलू क्रिकेटरों की मासिक सैलरी को भी 240 डॉलर से बढ़ाकर करीब 320 डॉलर कर दिया गया है।तमीम इकबाल ने इस फैसले को महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह आदर्श नहीं है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में यह बड़ा सुधार है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एक बार में सैलरी बढ़ाने की एक सीमा होती है, लेकिन भविष्य में और सुधार की कोशिश जारी रहेगी। बीसीबी की 11 सदस्यीय एड-हॉक कमेटी को बोर्ड की छवि सुधारने और घरेलू क्रिकेट ढांचे को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तमीम के इस फैसले को खिलाड़ियों के लिए राहत और क्रिकेट के विकास की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

बुमराह के सामने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का धमाका, पहली ही गेंद पर जड़ा छक्का

आईपीएल 2026 में युवा प्रतिभाओं का जलवा देखने को मिल रहा है, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने जो कर दिखाया, उसने सभी को चौंका दिया। महज 15 साल के इस बल्लेबाज ने दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में गिने जाने वाले जसप्रीत बुमराह के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया।इतना ही नहीं, सूर्यवंशी ने उसी ओवर में एक और छक्का लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए। आमतौर पर बुमराह जैसे गेंदबाज के सामने पावरप्ले में इस तरह का खेल बहुत कम देखने को मिलता है। आईपीएल इतिहास में इससे पहले ऐसा कारनामा सिर्फ विराट कोहली ने किया था, लेकिन सूर्यवंशी ने महज 5 गेंदों में ही दो छक्के जड़कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।यह मुकाबला बारिश से प्रभावित था, जिसमें 11-11 ओवर का खेल हुआ। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 27 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ राजस्थान ने पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।मैच के बाद राजस्थान रॉयल्स द्वारा साझा किए गए वीडियो में सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि वह बुमराह का सामना करते समय थोड़ा नर्वस जरूर थे। उन्होंने कहा, "मैं कोशिश कर रहा था कि गेंदबाज को न देखकर सिर्फ गेंद पर ध्यान दूं। सामने इतना बड़ा गेंदबाज था, इसलिए थोड़ा नर्वस था, लेकिन मैंने अपने गेम पर भरोसा रखा।"सूर्यवंशी ने यह भी बताया कि वह इस मैच में और बड़ा स्कोर करना चाहते थे, लेकिन अच्छे शॉट खेलने के बावजूद आउट हो गए। उन्होंने कहा कि अगली बार वह पूरी पारी खेलने की कोशिश करेंगे।

भारतीय मूल की क्रिएटर के बयान से अमेरिका में बवाल

ट्रंप की 'इमिग्रेशन' पॉलिसी पर बरसीं प्रिया

अमेरिका में इमिग्रेशन को लेकर छिड़ी बहस के बीच भारतीय मूल की कंटेंट क्रिएटर प्रिया पटेल अपने बयान को लेकर विवादों में घिर गई हैं. उन्होंने कहा कि बिना 'असिमिलेशन' वाला इमिग्रेशन 'इनवेजन' जैसा है.

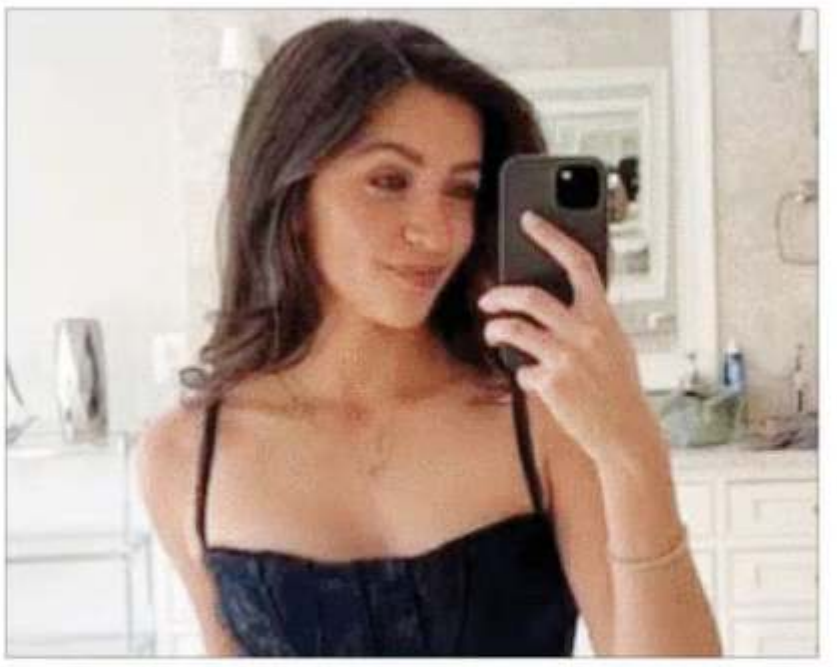

प्रिया पटेल अपने कंजरवेटिव विचारों और प्रो-मेगा झुकाव वाले कंटेंट के लिए जानी जाती हैं.

अमेरिका इस वक्त ईरान जंग को लेकर घिरा हुआ है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं.

मीडिया से लेकर अमेरिकी सोशल मीडिया तक, उन्हें घेरा जा रहा है. यहां तक कि उनके 'मेगा' (MAGA) सपोर्टर्स भी इस समय उनसे दूरी बनाते नजर आ रहे हैं. इसी बीच अमेरिका में एक बार फिर प्रवासी बनाम 'अमेरिकन रूट' को लेकर बहस छिड़ती दिख रही है, और इस बहस के केंद्र में आ गई हैं भारतीय मूल की कंटेंट क्रिएटर प्रिया पटेल. सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रिया पटेल का नाम तेजी से ट्रेंड कर रहा है, अमेरिका में रहने वाली इस कंटेंट क्रिएटर ने अपने एक बयान से इमिग्रेशन पर ऐसी बहस छेड़ दी है, जो अब पहचान, संस्कृति और 'अपनापन' जैसे बड़े सवालों तक पहुंच गई है. प्रिया पटेल अपने कंजरवेटिव विचारों और प्रो-मेगा झुकाव वाले कंटेंट के लिए जानी जाती हैं और अक्सर X पर संस्कृति, पहचान और राजनीति पर खुलकर अपनी राय रखती हैं.

लेकिन हाल ही में पोस्ट किए गए एक वीडियो ने उन्हें विवादों के केंद्र में ला दिया.

इस वीडियो में उन्होंने कहा कि अगर इमिग्रेशन के साथ 'असिमिलेशन' (समायोजन) नहीं हो, तो वह 'इनवेजन' यानी घुसपैठ जैसा है. आसान भाषा में इसका मतलब है कि अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे देश में जाकर वहां की भाषा, नियम-कानून और रहन-सहन को अपनाने की कोशिश नहीं करता, तो वह वहां घुलने-मिलने के बजाय अलग-थलग रहता है, ऐसी स्थिति असहज या दखल जैसी लग सकती है. बस, यही बयान सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया. ⊙

फ्रांस में पढ़ाई पर 44 लाख खर्च!

विदेश में पढ़ाई करना आज हर भारतीय छात्र का सपना बन चुका है, लेकिन इस सपने की असली कीमत क्या है, यह एक वायरल वीडियो ने साफ कर दिया है. फ्रांस में उच्च शिक्षा ले रही एक भारतीय छात्रा ने इंस्टाग्राम पर अपना पूरा खर्चा ब्रेकडाउन शेयर किया, जिसे देखकर लोग चौंक गए. वीडियो में छात्रा ने बताया कि तीन साल की पढ़ाई के लिए उसे सिर्फ ट्यूशन फीस में ही करीब 32 लाख रुपये खर्च करने पड़े. इसके अलावा वीजा प्रक्रिया के लिए उसे बैंक में 11 लाख रुपये बैलेंस दिखाना पड़ा. ⊙

80 मंजिला इमारत जितना ऊंचा एस्केलेटर

चीन का 'आसमानी' सफर

चीन ने एक बार फिर दुनिया को अपनी इंजीनियरिंग से चौंका दिया है. चोंगकिंग के वुशान काउंटी में विश्व का सबसे लंबा आउटडोर एस्केलेटर तैयार किया गया है, जिसे वुशान गॉडेस एस्केलेटर कहा जाता है. यह एस्केलेटर सिर्फ अपनी लंबाई की वजह से ही नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी आसान बनाने के कारण भी चर्चा में है.

CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, यह एस्केलेटर करीब 905 मीटर लंबा और 242 मीटर ऊंचा है, जो लगभग 80 मंजिला इमारत के बराबर माना जा रहा है. सबसे खास बात यह है कि जहां पहले इस पहाड़ी रास्ते को तय करने में एक घंटे से ज्यादा समय लगता था, अब वही सफर सिर्फ 20 से 21 मिनट में पूरा हो जाता है. ⊙

चीन में खाली फ्लैट्स को 'कब्रिस्तान' बनाने पर लगी रोक

'बोन ऐश अपार्टमेंट्स' पर चला सरकारी डंडा

चीन के इस ट्रेंड के पीछे सबसे बड़ी वजह आर्थिक दबाव है. (सांकेतिक तस्वीर:Pexel)

चीन में तेजी से बदलते हालात के बीच एक अनोखा लेकिन चौंकाने वाला ट्रेंड सामने आया है. बढ़ती अंतिम संस्कार लागत और कब्रिस्तान में जगह की कमी के कारण कई परिवार अपने प्रियजनों की अस्थियों को रखने के लिए खाली फ्लैट्स का इस्तेमाल करने लगे थे. अब सरकार ने इस पर सख्ती दिखाते हुए नए कानून के जरिए इस प्रथा पर रोक लगाने का फैसला किया है. बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, दरअसल 'बोन ऐश अपार्टमेंट्स' नाम से पहचाने जाने वाले ये फ्लैट्स ऐसे खाली घर होते थे, जिन्हें परिवार अपने मृत रिश्तेदारों की अस्थियां रखने के लिए इस्तेमाल करते थे. इन अपार्टमेंट्स को एक तरह से श्रद्धा स्थल में बदल दिया जाता था, जहां कलश रखे जाते और धार्मिक रस्में निभाई जाती थीं. कई मामलों में ऐसे फ्लैट्स बाहर से बंद खिड़कियों और खींचे हुए पर्दों के कारण अलग से पहचाने जाने लगे थे. इस ट्रेंड के पीछे सबसे बड़ी वजह आर्थिक दबाव है. चीन में प्रॉपर्टी की कीमतों में गिरावट आई है.2021 के मुकाबले 2026 तक कीमतें करीब 40 फीसदी तक कम हो गईं. ऐसे में कई लोगों के लिए एक खाली फ्लैट खरीदना, महंगे कब्रिस्तान प्लॉट लेने से ज्यादा किफायती साबित होने लगा. दूसरी तरफ, कब्रिस्तान में जगह सीमित है और वहां भी प्लॉट स्थायी नहीं होते, बल्कि आमतौर पर 20 साल के लीज पर दिए जाते हैं, जिसे बाद में रिन्यूअल करना पड़ता है. ⊙

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम, OTT रिलीज को लेकर बढ़ी उत्सुकता

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' (धुरंधर 2) इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। निर्देशक आदित्य धर की इस फिल्म ने न केवल दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि कमाई के मामले में भी नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। सिनेमाघरों में फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है और हर दिन भारी संख्या में दर्शक इसे देखने पहुंच रहे हैं। फिल्म की सफलता के बीच अब इसकी OTT रिलीज को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि वे इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को घर बैठे कब और कहां देख पाएंगे। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक आधिकारिक तौर पर OTT रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया है, लेकिन कुछ संकेत जरूर सामने आए हैं। दरअसल, फिल्म के पहले लुक पोस्टर में JioHotstar का लोगो दिखाई दिया था, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि थिएटर रिलीज के बाद यह फिल्म इसी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो सकती है। वहीं, इसके सैटेलाइट राइट्स Star Gold द्वारा खरीदे जाने की जानकारी भी सामने आई है। इससे साफ है कि फिल्म डिजिटल और टीवी दोनों प्लेटफॉर्म पर जल्द ही दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म इंडस्ट्री के ट्रेंड को देखें तो आमतौर पर कोई भी बड़ी फिल्म थिएटर में रिलीज के करीब 6 से 8 हफ्तों बाद OTT पर आती है। ऐसे में माना जा रहा है कि 'धुरंधर 2' मई या जून 2026 के आसपास डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकती है। हालांकि, इसकी पुष्टि के लिए दर्शकों को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।अगर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो 'धुरंधर 2' ने रिलीज के महज 21 दिनों में भारत में 1,041 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। वहीं, दुनिया भर में फिल्म का कुल कलेक्शन 1,653.67 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह आंकड़े फिल्म की जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाते हैं। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और रणवीर सिंह की दमदार एक्टिंग को दर्शकों और आलोचकों दोनों से सराहना मिली है। यही वजह है कि रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी फिल्म की रफ्तार धीमी नहीं पड़ी है। कुल मिलाकर, 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी है और अब फैंस को इसके OTT पर आने का बेसब्री से इंतजार है, ताकि वे इस सुपरहिट फिल्म का आनंद घर बैठे ले सकें।

ग्रीन कॉरिडोर की धंसी सड़क

एक महीने बाद भी नहीं हुई मरम्मत

लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की सड़क उद्घाटन के दो दिन बाद ही धंस गई, लेकिन एक महीने बाद भी मरम्मत नहीं हुई। बजरी फैली होने से हादसों का खतरा बढ़ गया है। राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ द्वारा उद्घाटित इस परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए ग्रीन कॉरिडोर की हालत उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद बदहाल हो गई है। लगभग एक महीने पहले सड़क धंसने की घटना के बावजूद अब तक इसकी समुचित मरम्मत नहीं कराई गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।इस ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया था। लेकिन उद्घाटन के महज दो दिन बाद ही बीरबल साहनी मार्ग पर पेयजल पाइपलाइन में लीकेज हो गया, जिसके चलते सड़क धंस गई। संबंधित विभाग ने लीकेज को तो ठीक कर दिया और गड्ढे को अस्थायी रूप से भर दिया, लेकिन सड़क का पुनर्निर्माण अब तक नहीं किया गया है।वर्तमान स्थिति यह है कि धंसी हुई सड़क पर 5 से 7 मीटर तक बजरी फैली हुई है। इस कारण रोजाना यहां से गुजरने वाले लोगों को दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। खासतौर पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह रास्ता बेहद जोखिम भरा हो गया है। हनुमान सेतु से निशातगंज जाने वाले मार्ग पर और न्यू हैदराबाद कॉलोनी से कॉरिडोर पर चढ़ने वाले प्रवेश बिंदु पर स्थिति और भी खराब है। इन स्थानों पर बजरी बिखरी होने के कारण वाहन फिसलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए 17 मई को चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, एक महीने का समय बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों और दैनिक यात्रियों का कहना है कि इतनी बड़ी परियोजना, जिस पर लगभग 1220 करोड़ रुपये खर्च किए गए, उसकी गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। लोगों ने जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यह क्षेत्र बड़े हादसों का केंद्र बन सकता है। प्रशासन के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह न केवल सड़क की तत्काल मरम्मत कराए, बल्कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस योजना भी बनाए। फिलहाल, ग्रीन कॉरिडोर पर यात्रा करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है, जब तक कि सड़क की स्थिति पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाती।

लखनऊ में अप्रैल में लौटी फरवरी जैसी ठंड

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में दो दिन से रुक-रुककर हुई बारिश के बाद मौसम अप्रैल में फरवरी जैसा हो गया है। तापमान में रिकॉर्ड 10.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। रात में हल्की ठंड महसूस हुई। वहीं, सुबह सर्द हवा चली। दो दिन आंधी-बारिश के बाद आज मौसम साफ बना हुआ है। तेज चटक धूप निकली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ में दिन में बादलों की आवाजाही देखने को मिलेगी। इस बीच अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री के आसपास दर्ज होने की संभावना है। 10 से 20 किलोमीटर की रफ्तार से पश्चिमी-पूर्वी हवा चल रही है। इस बीच मौसम फरवरी जैसा हो गया है। बुधवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 10.2 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 0.9 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 90 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 52 फीसदी रही। मौसम विभाग ने बताया कि लखनऊ और गोरखपुर में प्रदेश में अधिकतम तापमान में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई है। अगले सप्ताह के दौरान मौसम सामान्य रहने से तापमान में 10 डिग्री तक की बढ़त होगी। इससे गर्मी का असर बढ़ेगा।

सपा नेता का पलटवार

डर दिखाकर नाकामी कब तक छिपाओगे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सियासी बयानबाज़ी अब होर्डिंग वॉर में बदलती नजर आ रही है। हाल ही में लगाए गए 'ल्यारी-धुरंधर' वाले होर्डिंग के जवाब में समाजवादी पार्टी (सपा) के एक नेता ने तीखा पलटवार करते हुए नया होर्डिंग लगवाया है, जिसमें लिखा है—"डर दिखाकर नाकामी कब तक छिपाओगे, हमें चाहिए अखिलेश।" इस नए होर्डिंग के सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर जुबानी जंग तेज हो गई है। सपा नेताओं का कहना है कि मौजूदा सरकार जनता की मूल समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के प्रचार का सहारा ले रही है, जबकि प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दे अब भी बने हुए हैं। होर्डिंग में सीधे तौर पर अखिलेश यादव का नाम सामने आया है और उनके समर्थन का संदेश दिया गया है। इसमें यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि जनता बदलाव चाहती है और सपा नेतृत्व को फिर से मौका देने की मांग कर रही है। यह होर्डिंग वॉर सिर्फ पोस्टरबाजी नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले माहौल बनाने की रणनीति का हिस्सा है। सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों ही जनता तक अपने संदेश को अलग-अलग तरीकों से पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले लगाए गए 'ल्यारी-धुरंधर' होर्डिंग को लेकर भी काफी चर्चा हुई थी, जिसे सत्ता पक्ष के समर्थन में

माना जा रहा था। इसके जवाब में सपा का यह नया पोस्टर सीधा राजनीतिक संदेश देता है और सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाता है।सपा के स्थानीय नेताओं का कहना है कि जनता अब "डर और प्रचार" की राजनीति से ऊब चुकी है और उसे ठोस काम चाहिए। वहीं, भाजपा समर्थकों का कहना है कि विपक्ष केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रहा है और विकास कार्यों को नजरअंदाज कर रहा है।

लखनऊ में मंदिर की जर्जर दीवार गिरने से 3 माह के मासूम की मौत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

शहर के अलीगंज क्षेत्र स्थित डंडहिया बाजार में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब पुराने हनुमान मंदिर की जर्जर दीवार अचानक ढह गई। इस हादसे में मलबे के नीचे दबकर 3 माह के मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और लोगों में गहरा दुख व्याप्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों, पुलिस और नगर निगम की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद बच्चे को मलबे से बाहर निकाला गया और तत्काल भाऊराव देवरस अस्पताल ले जाया गया। वहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे केजीएमयू रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतक की पहचान सीतापुर के मिसरिख निवासी गजोधर के 3 माह के बेटे रूप लाल के रूप में हुई है। परिवार मंदिर के पास झुग्गी बनाकर रह रहा था। जिस स्थान पर झुग्गियां बनी हैं, वह एलडीए की फ्रीहोल्ड जमीन बताई जा रही है, जहां करीब 15 झुग्गियां हैं। परिजनों के अनुसार, हादसे के समय बच्चा झोपड़ी के अंदर सो रहा था। अचानक दीवार गिरने से वह मलबे में दब गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन भारी मलबा हटाने में समय लग गया। स्थानीय

लोगों ने बताया कि बच्चे का जन्म हाल ही में ऑपरेशन से हुआ था, जिसमें परिवार ने उधार लेकर करीब डेढ़ लाख रुपये खर्च किए थे। इस हादसे ने पहले से ही आर्थिक तंगी झेल रहे परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय पार्षद भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जर्जर दीवार के पास झुग्गियां होने के कारण यह हादसा हुआ। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ के काकोरी में खून से सनी महिला की लाश

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के काकोरी में गुरुवार सुबह एक महिला की खून से सनी लाश मिली। लाश के हाथ बंधे हुए हैं। सिर पर चोट के निशान हैं। लाश पर एक कपड़ा डाला हुआ है जिस पर खून ही खून है। गांववालों ने डेडबॉडी को पहचानने से इन्कार कर दिया। पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त कराई जा रही है। डेडबॉडी मदारपुर-पुरैना मार्ग पर मदारपुर गांव के बाहर सड़क किनारे खुले मैदान में पड़ी थी। सुबह जब लोग उधर से निकले तो नजर पड़ी। इसकी सूचना फैलते ही पूरा गांव घटनास्थल पर उमड़ पड़ा। पुलिस पहुंची। पुलिस का कहना है कि महिला की उम्र 30-32 साल थी। उसने नाइट वियर पहन रखे थे। जानकारी के अनुसार, काकोरी के घुरघुरी तालाब चौकी इलाके में मदारपुर गांव के बाहर गुरुवार को मैदान में पड़ी महिला की लाश पर सुबह करीब 8 बजे लोगों की नजर पड़ी। देखते ही देखते वहां भीड़ जुट गई। किसी ने पुलिस को सूचना दी। ग्राम पंचायत इब्राहिमगंज के प्रधान शकील के मुताबिक, ऐसा लग रहा है कि महिला के साथ पहले मारपीट की गई और उसके बाद दुष्कर्म किया गया। शव की स्थिति से यह भी प्रतीत हो रहा है कि महिला ने हमलावरों से बचने के लिए काफी संघर्ष किया था। महिला के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। खासकर दोनों हाथों पर लाठी-डंडों से मारपीट के काले निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। महिला मैक्सी पहने हुए थी और नंगे पैर थी, जबकि उसका पेटीकोट और दुपट्टा शव के पास ही पड़े थे। करीब 3 थानों की टीमें जांच कर रही हैं।

मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट पर सपा नेता आईपी सिंह के खिलाफ FIR दर्ज

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कथित आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट करने के मामले में समाजवादी पार्टी के नेता आईपी सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई हजरतगंज कोतवाली में एक स्थानीय युवक की शिकायत के आधार पर की गई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला हजरतगंज थाना क्षेत्र का है, जहां धर्म सिंह नामक युवक ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आईपी सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर मुख्यमंत्री की तस्वीर के साथ एक एडिटेड और आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया।तहरीर में कहा गया है कि पोस्ट किए गए वीडियो में मुख्यमंत्री की तस्वीर को संपादित कर एक डांस वीडियो के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे जनभावनाएं आहत हुई हैं। साथ ही, पोस्ट में सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए, जिनमें आरक्षण, भर्ती घोटाले और जातिगत टिप्पणी जैसे मुद्दे शामिल बताए गए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस तरह का भ्रामक और निराधार कंटेंट जानबूझकर प्रसारित किया गया, जिससे समाज में भ्रम और अशांति फैलने की आशंका है। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि इस प्रकार की सामग्री विभिन्न वर्गों और जातियों के बीच वैमनस्य और द्वेष पैदा कर सकती है, जो कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (B N S) की विभिन्न धाराओं—196, 299, 352, 353, 356 और 67—के तहत मुकदमा दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है और संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट की तकनीकी जांच भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की

जाएगी। इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। जहां एक ओर सत्ताधारी पक्ष इसे गंभीर मामला बता रहा है, वहीं विपक्ष की ओर से भी इस पर प्रतिक्रिया आने की संभावना है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

उन्नाव के यात्रियों को बड़ी राहत

इंटरसिटी और गोमती एक्सप्रेस को मिला अतिरिक्त ठहराव

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

यात्रियों की सुविधा और रेल सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत कई प्रमुख ट्रेनों को मध्यवर्ती स्टेशनों पर अतिरिक्त अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया है। यह व्यवस्था सीमित अवधि के लिए लागू रहेगी, जिससे दैनिक यात्रियों और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, गाड़ी संख्या 14123 मुरादाबाद-कानपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरौनी, अजगैन और कानपुर ब्रिज बायां किनारा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन हरौनी स्टेशन पर सुबह 08:19 से 08:20 बजे तक, अजगैन स्टेशन पर 08:33 से 08:34 बजे तक और कानपुर ब्रिज बायां किनारा स्टेशन पर 09:12 से 09:13 बजे तक एक-एक मिनट के लिए रुकेगी। इससे इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को सीधी ट्रेन सुविधा मिल सकेगी। इसी तरह, वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 14124 कानपुर-मुरादाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस को भी इन स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन कानपुर ब्रिज बायां किनारा स्टेशन पर 17:39 से 17:40 बजे तक, अजगैन स्टेशन पर 18:10 से 18:11 बजे तक और हरौनी स्टेशन पर 18:24 से 18:25 बजे तक एक मिनट के लिए रुकेगी। इसके अलावा, गाड़ी संख्या 12419 लखनऊ-नई दिल्ली गोमती एक्सप्रेस को भी कानपुर ब्रिज बायां किनारा स्टेशन पर सुबह 07:21 से 07:22 बजे तक एक मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया गया है। गोमती एक्सप्रेस के इस निर्णय से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों की यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह सभी अतिरिक्त ठहराव तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं और 13 मई 2026 तक जारी रहेंगे। इस अवधि के दौरान प्रत्येक ट्रेन लगभग 35 ट्रिप संचालित करेगी। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला स्थानीय यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इससे छोटे स्टेशनों से यात्रा करने वाले लोगों को अब लंबी दूरी तय किए बिना ही प्रमुख ट्रेनों का लाभ मिल सकेगा। रेलवे प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस व्यवस्था की समीक्षा यात्रियों की संख्या और मांग के आधार पर की जाएगी। यदि इस दौरान यात्रियों की संख्या में वृद्धि होती है, तो भविष्य में इन ठहरावों को स्थायी रूप से लागू करने पर भी विचार किया जा सकता है।स्थानीय यात्रियों ने रेलवे के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे रोजाना सफर करने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। खासकर नौकरीपेशा और छात्रों को इससे समय की बचत होगी और यात्रा अधिक सुविधाजनक बनेगी।रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन के समय और ठहराव की जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्नाव में बुजुर्ग ने सुसाइड किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बिंदानगर इलाके में रहने वाले छबि नाथ पुत्र स्वर्गीय चोधीलाल ने गुरुवार सुबह नीम के पेड़ से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और परिजनों में मातम छा गया। छबि नाथ वर्ष 2009 से अपने दामाद प्रमोद कुमार राजपूत, निवासी ठाकुर खेड़ा, के यहां रह रहे थे। परिजनों के अनुसार, लगभग तीन महीने पहले उन्हें लकवा का दौरा पड़ा था, जिसके बाद से उनका इलाज कानपुर नगर में चल रहा था। बीमारी के कारण वे शारीरिक रूप से कमजोर हो गए थे और लंबे समय से मानसिक रूप से भी परेशान थे। गुरुवार सुबह जब घर के सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे, तभी छबि नाथ घर से बाहर निकले। उन्होंने पास ही स्थित एक नीम के पेड़ पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद जब परिजनों की नजर उन पर पड़ी, तो उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया और पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में यह मामला बीमारी से परेशान होकर की गई आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गौर करते हुए जांच कर रही है। घटना के बाद से परिवार में गहरा शोक है। स्थानीय लोगों ने बताया कि छबि नाथ शांत स्वभाव के व्यक्ति थे, लेकिन बीमारी के कारण वे काफी परेशान रहने लगे थे। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एसओजी, सर्विलांस टीम व थाना दही पुलिस द्वारा सवारी बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश

पुलिस ने कार सहित चार लुटेरों को लूट के माल सहित किया गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में थाना दही पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक शातिर लुटेरा गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह कार में सवारी बैठाकर सुनसान स्थानों पर ले जाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से अवैध हथियार, कारतूस, चाकू, मोबाइल फोन, कार और लूटा गया सामान बरामद किया है।इस पूरे मामले का खुलासा एसएसपी जयप्रकाश सिंह और एएसपी अखिलेश सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में किया। उन्होंने बताया कि जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक कार के जरिए सवारियों को बैठाकर उन्हें लूट रहे हैं। सूचना के आधार पर गुरुवार को निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पुल के पास चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें चार युवक सवार थे। पूछताछ में उनकी पहचान रोहन उर्फ अक्षत वर्मा, यश शुक्ला, यश तिवारी और आदित्य गुप्ता उर्फ यश गुप्ता के रूप में हुई, जो शुक्लागंज क्षेत्र के निवासी हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से एक अवैध 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, चार मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद की। साथ ही लूट का सामान भी पुलिस ने कब्जे में लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह का मुख्य आरोपी रोहन उर्फ अक्षत वर्मा कार चलाता था और कानपुर से लखनऊ जाने वाली सवारियों को बैठाता था। रास्ते में उसके साथी यात्रियों को हथियार दिखाकर डराते, मारपीट करते और उनसे नकदी व कीमती सामान लूट लेते थे। इसके बाद पीड़ितों के मोबाइल फोन के जरिए ऑनलाइन पैसे भी ट्रांसफर कर लिए जाते थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बरामदगी के आधार पर थाना दही में आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया गया है।इस कार्रवाई में थाना दही पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम के पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में विधायक अनिल सिंह का बयान: 'जरूरत पड़ी तो पोकलैंड से गिरवाऊंगा दुकानें'

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले के पुरवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक अनिल सिंह ने असोहा ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए अपने विरोधियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विरोधी चाहे जितनी कोशिश कर लें, वह पीछे हटने वाले नहीं हैं और क्षेत्र के विकास तथा कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सख्त कदम उठाते रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान विधायक का बयान उस समय चर्चा का विषय बन गया जब उन्होंने सख्त लहजे में कहा, "जेसीबी से नहीं, जरूरत पड़ी तो पोकलैंड मशीन से दुकानें गिराऊंगा।" उनके इस बयान को अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।विधायक ने अपने विरोधियों को चुनौती देते हुए कहा कि यदि वे उन्हें रोकना चाहते हैं तो आगामी चुनाव में पूरी ताकत लगा दें। उन्होंने कहा, "अबकी बार अनिल सिंह को निपटा ले जाओ," और इसके लिए विरोधियों को अपने संसाधनों का पूरा उपयोग करने की सलाह दी।अनिल सिंह ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उन्होंने पुरवा क्षेत्र में दलाली की व्यवस्था को समाप्त किया है और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है। उनके अनुसार, क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत किया गया है और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की गई है।उन्होंने आगे कहा कि यदि जनता उन्हें दोबारा विधायक बनाती है, तो वह क्षेत्र में अपराध पर पूरी तरह लगाम लगाएंगे। "पुरवा में चोर-उचक्कों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी," उन्होंने कहा।इस कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ता और क्षेत्र के लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विधायक के बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है और इसे आगामी चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। इस तरह के सख्त बयान चुनावी माहौल को गर्माने का काम करते हैं और मतदाताओं को प्रभावित करने की रणनीति का हिस्सा होते हैं। वहीं, विपक्ष इस बयान को लेकर विधायक पर निशाना साध सकता है।फिलहाल, विधायक के इस बयान ने उन्नाव की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है और आने वाले दिनों में इस पर सियासी प्रतिक्रियाएं तेज होने की संभावना है।

उन्नाव में करोड़ों की सरकारी जमीन पर चला बुलडोजर, अवैध कब्जा ध्वस्त

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के पुरवा तहसील क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नगर पंचायत पुरवा में करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी 'ऊसर' भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई से अवैध कब्जेदारों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, नगर के मोहल्ला राजा बाजार निवासी बबलू नामक व्यक्ति ने लगभग एक बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था। आरोप है कि कब्जेदार ने इस भूमि पर बाउंड्री वॉल खड़ी कर करीब 40 पिलर लगाकर दुकानें बनाने की तैयारी कर ली थी। सरकारी अभिलेखों में यह भूमि ऊसर जमीन के रूप में दर्ज है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मामले की जानकारी मिलने पर प्रशासन ने पहले कब्जेदार को नोटिस जारी कर स्वयं निर्माण हटाने की चेतावनी दी थी। एसडीएम पुरवा प्रमेश श्रीवास्तव और तहसीलदार मनीष द्विवेदी ने कई बार निर्देश दिए, लेकिन चेतावनी को नजरअंदाज कर निर्माण कार्य जारी रखा गया। इसके बाद जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर राजस्व एवं प्रशासनिक टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई। निर्धारित कार्यक्रम के तहत नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी, लेखपाल प्रशांत पांडे और राजस्व टीम की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से अवैध बाउंड्री वॉल और निर्माणाधीन ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि कब्जामुक्त कराई गई भूमि को नगर पंचायत पुरवा के सुपुर्द कर दिया गया है, ताकि भविष्य में उस पर किसी प्रकार का अवैध निर्माण न हो सके। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

10वीं की छात्रा सृष्टि वर्मा बनीं एक दिन की उप जिलाधिकारी, संभाली फरियादियों की जिम्मेदारी

उन्नाव जनपद में एक प्रेरणादायक पहल के तहत जिला अधिकारी श्री गौरांग राठी के निर्देशन में उप जिलाधिकारी बीघापुर श्री रणवीर सिंह द्वारा एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय हाई स्कूल, विसरामऊ की कक्षा 10 की छात्रा सृष्टि वर्मा को एक दिन के लिए उप जिलाधिकारी बीघापुर की जिम्मेदारी सौंपी गई।इस अवसर पर सृष्टि वर्मा ने पूरी गंभीरता और आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यालय में आए फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। छात्रा की कार्यशैली और समझदारी ने सभी को प्रभावित किया।सृष्टि वर्मा के पिता श्री सत्येंद्र कुमार और माता ललिता देवी गांव में ही रहते हैं और अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नीता वर्मा और शिक्षिका श्रीमती सरिता रावत ने भी सृष्टि की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने उप जिलाधिकारी श्री रणवीर सिंह का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने छात्रा को प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक अनुभव देने का सराहनीय अवसर प्रदान किया।

अभिषेक मिश्रा की एक विशिष्ट रिपोर्ट

दिव्यांग जन सेवा को समर्पित कार्यक्रम 'आर्ट ऑफ लिविंग' टीम ने बढ़ाया हौसला

दिव्यांग जनों के लिए आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न अतिथियों ने भाग लिया और संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। डॉ. एमएल रावत की पहल को समाजहित में महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम में विशेष शिक्षा, देखभाल और दिव्यांगों के उत्थान पर जोर दिया गया।

मूक वधिर द्रष्टिहीन मानसिक दिव्यांग के लिए द आर्ट ऑफ लिविंग की टीम डॉ संगीता झा रुचिरा ढाल टीम के संयोग से किया गया इस के मुख्य अतिथि स्वेता दिवाकर नगर पालिका अध्यक्ष डौली माहौर पुर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ के के शर्मा वागला हास्पिटल वासुदेव माहौर सयोक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर स्वारार्भ कर सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान कर सभी का अंगवस्त्र व विहारी जी राना रानी के छायाचित्र पर भेंट कर स्वागत सम्मान संस्था अध्यक्ष डॉ एम एल रावत अर्चना जी राज माला ने किया गया संस्था अध्यक्ष डॉ एम एल रावत ने संस्था के बारे में बिस्तार से जानकारी दी डॉ के के शर्मा वागला हास्पिटल जी ने रावत शिक्षा समिति दिव्यांग नि शुल्क आवासीय विद्यालय प्रशिक्षण के अध्यक्ष संस्थापक डॉ एम एल रावत द्वारा दिव्यांग जन हित के कार्य करने वाली एक मात्र संस्था है इन्होंने वागला हास्पिटल में आंडियो लोजिस्टिक्स के साथ ओडियो रुम संसाधन के साथ स्थापित कर दिव्यागो की होने वाली समस्याओं का समाधान कर दिया है इन का कार्य सराहनीय है इस के लिए मैं डॉ रावत जी भूरी भूरी प्रस्सा करते हैं और हमारे यहां मरीजों की गर्मी मोसम मुल पानी की प्याओ नि शुल्क लगवा कर सराहनीय कार्य करते हैं मुख्य अतिथि स्वेता दिवाकर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा दिव्यांग हित में रावत जी द्वारा किए जारहे कार्य सराहनिय योग्य है एवं समाज कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं इन की जितनी सराहना की जाए कम है मैं संस्था के अध्यक्ष संस्थापक डॉ रावत जी के हर कार्यक्रम में माननीय सांसद राजेश दिवाकर जी भी आते रहते हैं यहां के कार्यक्रम सदा समाज हित में होते हैं में और मेरा परिवार सहित संस्था के साथ तन मन धन से साथ हूं जल्द ही संस्था के रोड और पार्क का निर्माण कार्य कराकर दिव्यांगो को वारीष में आने वाली समस्या का समाधान करा दिया जाएगा डौली माहौर जी ने कहा कि मैं और मेरा परिवार हमेशा से ही संस्था के हर कार्यक्रम में आने का मोका प्राप्त होता है इन दिव्यांग जन की सेवा करने का मोका मिलता है और मैं और मेरे पति श्री वासुदेव माहौर जी तन मन धन से साथ रहते हैं और रहेंगे श्रीमती अर्चना शर्मा संस्था स्पेशल टिंचर प्रशासनिक अधिकारी जी ने बच्चों व अभिभावकों को विषेश शिक्षा की आवश्यकता है संस्था पर बच्चों व अभिभावकों को विषेश प्रशिक्षण दिया जाता है कि इन बच्चों को किस तरह धर में रख रखाव की आवश्यकता की जानकारी दी विषेश कर मां का इन बच्चों के साथ रहना चाहिए वासुदेव माहौर ने के हर कार्यक्रम के अनुभव के वारे में विस्तार से जानकारी दी कहा कि मेरा शोभाग्य है कि छोटे से बड़े कार्यक्रम में आने का मोका प्राप्त होता है जो संस्था अध्यक्ष डॉ एम एल रावत जी के साथ में अपने पिता जी श्री रेवती माहौर जी के साथ ही आता रहा हूं इन के साथ जुड़े व्यक्ति को जीवन में भजन पुजा के समान है दिव्यांग सेवा नर सेवा नारायण सेवा के समान है जनपद के सभी महीला मात्र शक्ति गुर्प भी उपस्थित रहे हैं इस का संचालन पीयूष रावत ने किया Iwc of Hathras Royal Preslcldent की श्रीमती राधा गावर , लक्ष्मी अरोरा पुजा सिंह निहा गुप्ता रीना गुप्ता दिप्ती अग्रवाल लीना अग्रवाल आदि मुकीम विकास चोधरी सपना प्रीती रावत दललतेश रावत राधा रानी रावत पीयूष रावत

लाडपुर में चला जनसंपर्क और स्वच्छता अभियान, बुजुर्गों का हुआ सम्मान

9 अप्रैल 2026 को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम लाडपुर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत गांव और बस्ती में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया, जिसके माध्यम से कार्यकर्ताओं ने लोगों से संवाद स्थापित कर केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम के दौरान गांव के बुजुर्गों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर प्रमुख व्यक्तियों में पूर्व सांसद डॉ. बंगाली सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नानक चंद पचौरी, श्री नीरेश कुमार सिंह और ग्राम प्रधान गांगोली श्री नवीन कुमार माहौर उपस्थित रहे। क्षेत्रीय मंत्री श्रीमती डौली माहौर ने सभी सम्मानित अतिथियों को गले में पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया।इसके अलावा कार्यकर्ताओं ने श्री राधा-कृष्ण मंदिर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।इस मौके पर बासुदेव माहौर (पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, अनुसूचित मोर्चा), मुबीन खान (जिला महामंत्री, अल्पसंख्यक मोर्चा), चौधरी श्याम सुंदर प्रधान, पप्पू चौधरी और देवेंद्र दिवाकर सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रयागराज में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, जमीन विवाद की आशंका

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बुधवार शाम एक सनसनीखेज वारदात में प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना करेली इलाके के बिस्मिल्ला चौराहे की है, जहां इरफान अपने घर के पास चाय की दुकान पर बैठे थे। तभी दो बाइक पर सवार चार हमलावर पहुंचे और उनमें से एक ने पास जाकर सीने पर सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही इरफान खून से लथपथ होकर गिर पड़े। हमलावर मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत एसआरएन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।मोहम्मद इरफान को माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ अहमद का करीबी बताया जा रहा है। परिवार ने हत्या का आरोप आसिफ दुर्रानी और उसके भाई पर लगाया है, जो पहले इरफान के साथ प्रॉपर्टी कारोबार में जुड़े थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जमीन के विवाद को लेकर दोनों पक्षों में रंजिश चल रही थी, जिसके चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। मृतक के बेटे ने करेली थाने में नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी आसिफ दुर्रानी पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

वाराणसी में सपा नेता को थैलियम जहर देने की साजिश

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में समाजवादी पार्टी से जुड़े एक नेता को कथित रूप से थैलियम जहर देकर मारने की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मुंबई के एक प्रतिष्ठित अस्पताल की जांच रिपोर्ट में नेता के खून में थैलियम के अंश पाए जाने की पुष्टि के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली थाने में सपा नेता संदीप सिंह की पत्नी खुशबू सिंह की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संदीप सिंह (41) समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं और वर्तमान में निजी व्यवसाय से जुड़े हैं। शिकायत के मुताबिक, फरवरी 2025 में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार न होने पर उन्हें दिल्ली के मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट किया गया, लेकिन वहां भी उनकी स्थिति गंभीर बनी रही। इसके बाद उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए मुंबई के पीडी आहूजा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उनके शरीर में थैलियम जहर होने की पुष्टि की। परिजनों के अनुसार, 26 फरवरी को उन्हें बुखार, पैरों में झुनझुनी, शरीर में दर्द और उल्टी की शिकायत हुई, जिसके बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। 2 मार्च को उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में आईसीयू तथा वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखना पड़ा। संदीप सिंह वाराणसी के निवासी हैं और एसएसएस इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड व शिव एंटरप्राइजेज नामक कंपनियों का संचालन करते हैं। उनका व्यवसाय ट्रांसपोर्ट और निर्माण कार्य से जुड़ा हुआ है। परिवार में उनके माता-पिता, पत्नी और दो बच्चे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला बेहद गंभीर है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि जहर कैसे और कब दिया गया।